न्यूज डायरी

कोरोना वायरस के टीके के लिए अमेरिका ने खोला खजाना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। कोरोना वायरस से जूझ रही दुनिया के लिए अच्छी खबर है। अमेरिका ने कोरोना वायरस की वैक्सीन के लिए 1.6 अरब डॉलर का फंड मुहैया कराने का ऐलान किया है। यह पैसा नोवावैक्स कंपनी को दिया जाएगा। अमेरिका ने अपने रैप स्पीड अभियान के तहत यह अब तक सबसे ज्यादा पैसा किसी कंपनी को वैक्सीन के लिए दिया है। इसके अलावा अमेरिका रेगेनेरोन कंपनी को भी 45 करोड़ डॉलर की सहायता दे रहा है। यह कंपनी कोरोना वायरस संक्रमण के लिए नए तरीके तलाशने पर काम कर रही है। समझौते की शर्तो के मुताबिक नोवावैक्स कंपनी इस साल के आखिर तक अमेरिका के स्वास्थ्य और रक्षा विभाग को कोरोना वायरस की 10 करोड़ डोज देगी। कंपनी के सीईओ स्टैनली इरैक ने कहा, हम ऑपरेशन रैप स्पीड का हिस्सा बनकर बहुत फक्र महसूस कर रहे हैं।

हिंदू मंदिर का कट्टर विरोध, मौलाना ने दी धमकी, सिर काटकर कुत्तों को डाल देंगे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के इस्लामाबाद में पहला हिंदू मंदिर बनने को लेकर कड़ा विरोध जारी है। न सिर्फ संगठन इसके खिलाफ उतर आए हैं बल्कि धार्मिक सभाओं में हिंसक धमकी दी जा रही है। पाकिस्तान के आलोचक और लेखक तारिक फतेह ने इसे लेकर वीडियो ट्वीट किया है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि मौलाना लोगों को मंदिर बनाए जाने पर सिर काटने की धमकी दे रहे हैं। बता दें कि कट्टरपंथियों के विरोध के आगे सरकार ने कृष्ण मंदिर बनाने का फैसला वापस ले लिया है। तारेक ने जो वीडियो ट्वीट किया है उसमें दिखाई दे रहा है कि मौलाना एक धार्मिक सभा में धमकी दे रहे हैं कि जो लोग इस्लामाबाद में हिंदू मंदिर का समर्थन कर रहे हैं, उनके सिर कलम कर दिया जाएगा। वह भीड़ से कहते हैं, तुम्हारे सिर मंदिर में चढ़ा दिए जाएंगे और कुत्तों को खिला दिए जाएंगे। वह कहते हैं, मस्जिदें चंदों से बन रही हैं और मंदिर पाकिस्तान के खजाने से पैसे निकालकर बनाए जा रहे हैं।

जापान में बाढ़ से मरने वालो की संख्या बढ़कर 50 हुई, दर्जनों लापता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सत्ता को बचाने के लिए दिन–रात एक करने वाली चीन की राजदूत हाओ यांकी के खिलाफ नेपाल में सड़क से लेकर राजनीतिक गलियारे तक विरोध तेज होता जा रहा है। पाकिस्त्तान में काम कर चुकीं हाओ यांकी ने नेपाली प्रधानमंत्री से लेकर सेना प्रमुख तक को अपने इशारों पर चलने के लिए मजबूर कर दिया है। फार्राटेदार उर्दू बोलने में माहिर हाओ इन दिनों नेपाल में भारत और अमेरिका के खिलाफ चीनी अजेंडे को सेट करने में जुट गई हैं। चीनी राजनयिकों की नई पीढ़ी से ताल्लुक रखने वाली वुल्फ वॉरियर हाओ ने बेहद कम समय के अंदर के नेपाल के सत्ता गलियारों में जोरदार पकड़ बना ली है। उनकी कोशिश है कि किसी भी तरीके से नेपाल कम्ध्युनिस्ट पार्टी को ओली के समर्थन में खड़ा रखा जाए जो इन भारत के खिलाफ लगातार कई फैसले ले चुके हैं।

अमेरिका ने चीन के अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध लगाए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने 'रेसिप्रोकल एक्सेस टू तिब्बत' कानून के तहत चीन के अधिकारियों के एक समूह पर वीजा प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। पोम्पियो ने मंगलवार को ट्वीट किया, ''आज मैं पीआरसी (पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) के उन अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध की घोषणा करता हूं जो तिब्बत में विदेशियों की पहुंच को रोकने का काम कर रहे हैं। हम लगातार चाहते हैं कि हमारे संबंधों में पारस्परिकता बनी रहे।'' उन्होंने बयान में कहा कि चीन, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र तथा तिब्बत के अन्य क्षेत्रों में अमेरिकी राजनयिकों तथा अन्य अधिकारियों, पत्रकारों और पर्यटकों को जाने से जानबूझकर लगातार रोकता रहा है जबकि दूसरी ओर इसके किसी अधिकारियों एवं नागरिकों के अमेरिका में आने पर किसी तरह की कोई रोक नहीं है।

भारत के टी–90 टैंक और अपाचे से भड़का चीन

धमकी

ग्लोबल टाइम्स ने धमकी दी है कि भारत ने उकसावे वाली कार्रवाई की तो हम जवाब देंगे

■पीएलए ने तिब्बत के ऊंचाई वाले इलाकों में अत्याधुनिक हथियार तैनात किए

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। भारत के सख्त रुख के बाद गलवान घाटी से तंबू उखाड़ने वाले चीन का सरकारी मीडिया भारत के लड़ाकू हेलिकॉप्टर अपाचे और टी–90 टैंक की तैनाती से भड़क गया है। चीन के सरकारी प्रोपेगैंडा अखबार ग्लोबल टाइम्स ने धमकी दी है कि अगर भारत ने कोई उकसावे वाली कार्रवाई की तो हम अब भी पूरी तरह से तैयार हैं। उसने कहा कि भारत का जवाब देने के लिए पीएलए ने तिब्बत के ऊंचाई वाले इलाकों में कई अत्याधुनिक हथियार तैनात किए हैं।

ग्लोबल टाइम्स ने यह भी आरोप लगाया कि भारत लगातार सेना को जुटा रहा है और युद्धाभ्यास कर रहा है। चीनी अखबार ने कहा कि पीएलए ने मल्टिपल रॉकेट लॉन्चर, तोपें, एंटी टैंक मिसाइल, एंटी एयरक्राफ्ट गन, हल्के टैंक और अटैक हेलीकॉप्टर अपनी उत्तर पश्चिमी सीमा में तैनात किए हैं। ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि ये हथियार खास तौर पर ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ाई के लिए तैयार किए गए हैं।

भारत ने अपाचे लड़ाकू हेलिकॉप्टर तैनात किए: चीनी अखबार ने कहा कि भारत ने हाल ही में अपने अग्रिम मोर्चों पर अपाचे लड़ाकू हेलिकॉप्टर तैनात किए हैं। इसके अलावा भारत ने गलवान घाटी में टी–90 टैंक तैनात किए हैं। ग्लोबल टाइम्स ने कथित सैन्य विशेषज्ञों के हवाले से दावा किया कि पीएलए के हथियार ऊंचाई वाले इलाकों में युद्ध के लिए बहुत उपयोगी हैं। उसने कहा कि चीनी हथियार भारत के हथियारों को तबाह कर सकते हैं।

ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि भारत के साथ तनाव घटाने पर भले ही सहमति बन गई हो लेकिन चीनी सेना भारत के किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई का जवाब देने को तैयार है। बता दें कि पूर्वी लद्दाख में करीब 3 हफ्ते तक सीमा पर तनावपूर्ण स्थिति के बाद आखिरकार चीन की ओर से सकारात्मक कदम उठते दिखाई दे रहे हैं। लद्दाख की गलवान घाटी में 15 जून को भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद से एक ओर चीनी नेता शांति की बात कर रहे थे, तो दूसरी ओर चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी अपनी मजबूती बढ़ाती जा रही थी।

चीन के सैनध्कि 1.2 किमी तक पीछे हटे: हालांकि, अब ताजा सैटलाइट तस्वीरों में देखा जा सकता है कि चीन के सैनिक भी दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच हुई वार्ता के बाद पीछे हट चुके हैं। अमेरिका की स्पेस टेक्नॉलजी कंपनी Maxar ने गलवान घाटी की ताजा सैटलाइट तस्वीरें जारी की हैं जिन्हें ओपन सोर्स इंटेलिजेंस अनैलिस्ट Detresfa ने ट्वीट किया है। इनमें दिखाई दे रहा है कि जहां पहले सैनिक मौजूद थे और सेना ने पोजिशन लेकर रखी थी, वहां से उनका पीछा हटना शुरू हो चुका है। भारत और चीन के बीच बातचीत के बाद इस पर सहमति जताई गई थी।

दुनिया की अकेली महाशक्ति बनना चाहता है चीन

अमेरिका के लिए सबसे बड़ा खतराः एफबीआई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका और चीन में जारी तनाव के बीच अमेरिकी खुफिया जऐंसी एफबीआई के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने कहा है कि चीन हमारे लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि चीन किसी भी तरह से दुनिया की अकेली महाशक्ति बनना चाहता है। क्रिस्टोफर रे ने कहा कि चीन सरकार की जासूसी और सूचनाओं की चोरी अमेरिका के भविष्य के लिए अब तक का लंबी अवधि का सबसे बड़ा खतरा है।

एफबीआई निदेशक ने कहा कि चीन कई स्तरों पर अभियान चला रहा है। चीन की सरकार ने विदेशों में रहने वाले चीनी नागरिकों को निशाना बनाना शुरू किया है। यही नहीं उन्हें वापस लौटने पर मजबूर कर रहा है। साथ ही अमरीका के कोरोना वायरस शोध को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। क्रिस्टोफर रे ने कहा, यह सबसे बड़ा दांव है। चीन किसी भी तरह दुनिया की अकेली महाशक्ति बनने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चीन जासूसी करता है जो अमेरिका के लिए बड़ा खतरा है। उन्होंने साथ ही कहा कि एफबीआई में मौजूदा 5000 सक्रिय काउंटर इंटेलिजेंस मामलों में से आधे चीन से जुड़े हैं।

चीनी काले कानून से अब हॉन्ग कॉन्ग में होगा पुलिस राज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हॉन्ग कॉन्ग। हॉन्ग कॉन्ग के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने में पुलिस को काफी सख्त अधिकार दिए गए हैं, जिसके तहत वे बिना वॉरंट के तलाशी ले सकते हैं। संदिग्धों को शहर छोड़ने से रोक सकते हैं और इंटरनेट सेंसर करने समेत तमाम अन्य तरीके भी अमल में ला सकते हैं। नियमों के मुताबिक, पुलिस के पास बिना वॉरंट के सबूतों की तलाशी लेने के अधिकार होंगे। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का उल्लंघन करने वाले संदिग्ध शख्स को अपने यात्रा दस्तावेज सौंपने होंगे, ताकि वह हॉन्ग–कॉन्ग से बाहर न जा सके। इसके अलावा, किसी भी संपत्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे के आधार पर जब्त या कुर्क किया जा सकता है।

नेपाली पीएम केपी शर्मा ओली के भविष्य पर फैसला फिर टला

चीनी राजदूत के दबाव का असर!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

काठमांडू। नेपाल की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की बुधवार को होने वाली अहम बैठक एक बार फिर टल गई है, अब यह शुक्रवार को होगी। इस बैठक में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के राजनीतिक भविष्य पर फैसला होना था। ओली की कार्यशैली तथा भारत विरोधी बयानों के चलते उनके इस्तीफे की मांग उठ रही है। दूसरी ओर पार्टी के दो धड़ों में मतभेद भी गहरा गए हैं।

इन धड़ों में से एक की अगुवाई ओली कर रहे हैं तथा दूसरे धड़े के नेता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल 'प्रचंड'हैं। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की 45 सदस्यीय शक्तिशाली स्थायी समिति की बैठक बुधवार को होनी थी और अब यह शुक्रवार को होगी। प्रधानमंत्री के प्रेस सलाहकार सूर्य थापा ने बैठक के शुक्रवार तक स्थगित होने की घोषणा की।

चीनी राजदूत को खुश करने में लगे पीएम ओलीः यह चौथी बार है जब बैठक स्थगित हुई है। बैठक टलने की कोई वजह नहीं बताई गई है। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' समेत एनसीपी के शीर्ष नेताओं ने ओली का इस्तीफा मांगा है। उनका कहना है कि ओली के हाल के भारत विरोधी बयान 'न तो राजनीतिक रूप से सही हैं और न ही कूटनीतिक तौर पर उचित'। बता दें कि ओली को बचाने के लिए चीन की राजदूत हाओ यांकी ने अपनी पूरी ताकत झोक दी है। उनकी कोशिश है कि किसी भी तरीके से नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी को ओली के समर्थन में खड़ा रखा जाए जो इन दिनों भारत के खिलाफ लगातार कई फैसले ले चुके हैं।

ओली भी लगातार चीनी राजदूत के इशारे पर भारत के खिलाफ जहरीले बयान दे रहे हैं। उनकी कोशिश है कि भारत के खिलाफ बयानबाजी करके और कदम उठाकर के चीन को खुश रखें। इससे उनकी सत्ता बची रहेगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन से आधिकारिक तौर पर अलग हुआ अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। अमेरिका ने मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन से आधिकारिक तौर पर अलग होने का फैसला किया। अमेरिकी मीडिया ने यह जानकारी दी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका को डब्ल्यूएचओ से औपचारिक रूप से अलग कर लिया है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र के इस स्वास्थ्य संगठन के खिलाफ बातें कही थीं। ट्रंप ने पहले आरोप लगाया था कि इस संगठन पर चीन का नियंत्रण है और कोरोना वायरस को लेकर आवश्यक सूचनाएं काफी बाद में जारी की गई थीं। इस वायरस से अमेरिका सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है जहां 30 लाख से ज्यादा मामले अब तक सामने आए हैं। देश में कुल 1.3 लाख से ज्यादा लोगों की अब तक मौत हो चुकी है।

द हिल की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार (स्थानीय समय) को पुष्टि की कि व्हाइट हाउस ने आधिकारिक तौर पर डब्ल्यूएचओ से अमेरिका को अलग कर लिया है।